खजूर की खेती है किसान के लिए लाभकारी

मैं सादुलाराम चौधरी गाँव आलमसर ,पंचायत समिति धनाव ,तहसील चौहटन, बाडमेर के रहने वाले हूँ। मेरी पत्नी श्रीमति धनी देवी की गांव आलमसर में 40 बीधा कृषि भूमि है । मेरा परिवार पिछले 20 से 25 वर्षा से उक्त कृषि भूमि पर पारम्परिक फसले बाजरा, मुँग, मोठ बरसात मे तथा सर्दी मे जीरे की फसल लेते थे परन्तु इस तरह की खेती से मुझे कोई विशेष लाभ प्राप्त नही होता था । उक्त पारम्परिक खेती से 2 से 2.5 लाख की आय होती थी जिसमे 50 प्रतिशत राशि लागत में चली जाती थी ।

वर्ष 2009 में किसानो के लिए खजूर के पौधो लगाने की नई योजना प्रारम्भ की गई। मेने मेरी पत्नी श्रीमति धनी देवी की कृषि भूमि वर्ष 2009 में 2 है0 में बरही किस्म, एवं 1 है. मेडजूल किस्म के खजूर का बगीचा लगाया गया । चार वर्ष बाद खजूर के पेड फल देने लगे । वर्ष 2015 में बरही किस्म के खजूर के प्रति पेड 60–70 किलोग्रम औसत फल लगे थे इस वर्ष (2016) में बरही किस्म के खजूर के प्रति पेड पर उपज बडकर 80–85 किलोग्रम औसत हो गई है । इसी प्रकार मेडजूल किस्म में 30–40 किलोग्राम फल वर्ष 2016 में लगे है जिनका बिक्री फार्म पर एवं स्थानीय बाजारो में की है। मेने खजूर के पिण्ड को धूप में सुखाकर एवं गेडिंग कर 100 ग्राम, 250 ग्राम तथा 500 ग्राम के पेकिंग में बेचा है । मेने बरही के ताजा फल रूपये 100 से 300/– प्रति किलोग्राम के दर से विक्रय किये है । मेडजूल किस्म पिण्ड 1000/– प्रति किलोग्राम तथा बरही किस्म के पिण्ड 400/– प्रति किलोग्राम के भाव से बेचे है ।

बरही **खजूर पैकिंग सामग्री**

मेने वर्ष 2015 में 7 लाख लागत के विरूद्ध 15 लाख के खजूर फल बेच कर शुद्ध 8 लाख का मुनाफा हुआ इसी तरह वर्ष 2016 में भी 8 लाख की शुद्ध आय प्राप्त की है।

कृषक का खजूर सीओल फार्म के नाम से जाना जाता है तथा सीओल ब्रांड के नाम बेचता है

खजूर से प्राप्त मुनाफे को देखते हुए मेने वर्ष 2015 मे खजूर की अन्य किस्में गुजरात लोकल रेड–91 एवं गुजरात लोकल रेड–169 के 15 पौधे , अजवा खजूर के 20 पौधे, नागेल किस्म के 5 पौधे तथा फर्द किस्म के 5 पौधे नवाचार के रूप में और लगाये है । मेरे पास वर्तमान में 3–4 क्विटल खजूर पिण्ड है जिनको में फार्म पर एवं स्थानीय बाजारो में बेचे रहा हूँ।